मविष्णेनमः ३४ नित्यशुद्धमविद्धः भाविद्धयनमः ३५ भवेदित्तिविवस्त उद्भूःकेस
भवहृतीत्र पिसद्यादृतस्तरवः विवस्वतेनमः ३६ उद्भूमेघु निमुविज्ञरिपरिद्रमि
त्रिपत्रूशभतवाहूभम्म प्रधंरपीत्रभरिमुक्तत्रं श्वक्षूंवभभ्युतिरहूभफ्तत्र
विद्यापिपतयेनमः ३७ सर्वीश्रुतस्तुवकवतिपुडीके यत्रसीयात्रिभभयभपस्तै
भाविद्धयाक्षलायद्वै मठवसमौभद्रिभापियत लायायनमः ३८ पूभमि
ह्रै ३९ मित्रयनमः ३९ कदूपात्रे कदूयनमः ४० भाक्षमित्र ललायस्तुन
मः ४० उदैवैविम पश्रीपयायनमः ४१ सुपेभभभतरः ४२ सुपायनमः ४३
सुपःपल्लीतकेधसां सुपवकूयनमः ४४ कुक्षिवरां कुक्षिनमः ४५ त्रिवपंप
तुस्वरविद्धःपता यतेस्वितुतरूपत्रविस्त्रे सततस्मि लानिधीशूपूर्वस्तु भभात्रा
भभयापस्तवेरुः मसिद्धेनमः १ पत्रः सपंपतुस्वरविद्धःपुरा २ विद्यवैनमः २
पत्रःसपंपतु प्रतनायेनमः ३ पत्रःसपंपत पापात्रुश्रेनमः ४ रेवतुस्वाद
निहं धृतायनमः १ यतेस्वदभग स्वदस्त्रेनमः २ मस्त्रिवस्तुवासि लाक्षुकायनमः ३

मू॰ [illegible]

[illegible]

[illegible] कृष्ण [illegible]

[illegible] कृष्ण [illegible] पीतः [illegible] कृष्ण [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] श्रीविष्णुः [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्री॰ यवयप्रमितेन हृः । ॐ नृसिंहः नमल्लिकपल्लिहः श्रमिहृसिहः नकमसमगृहिहः
प्रवेदेनस्तय ०० प्रपमीपमङ्गल्यत्रिस्त्रिशु । श्वपमहेर मस्तुतथत्रा भभशु
भत्तपिहृः । भहेर तत्तः पस्त्रभपत्रेत्रा । त्रिसुः पकपथेत्र॰ त्रिसुस्तुवः श्वः ब्रह्म
विहः ७ त्रिवाभुपकथयविमतवाभुवस्यपीभहि उत्रेवाभुपूर्मेतयात्रा ७
श्रहृतवत्रा भगवान्पते ॐ तत्सीगं ब्रह्मणः क्रमस्य ७ नगवतःवाशुमेवस्य ३
श्रीविष्णुः प्रवर्तमानस्य ॐ तत्सीगं वाभुपकथमेवतागं द्वितीयस्य परार्धस्य
त्यत्रस्य ७॰ ॐ तत्सीगं प्रवेत्तिनकमीगं नकमसहितेमाने सहस्रे वेमध
त्रिस्रपगमेवतागं सहस्रे वेमधत्रिस्रतिभिड्वाभुप्रमाणे कलमप्रमाणे य
मप्रमाणे कलमभक्लप्रमाणे हेडेश्वरप्रमाणे मन्वन्तरेकरिष्ये हॅत्तक्रमथ त्रिल॰
नवमेवधस्त्रमगं त्रिभगवान्पते ॐ तत्सीगं ३॰ ब्रह्मणः क्रमस्य ७ नगवतःवा
शुमेवस्य ३ श्रीविष्णुः प्रवर्तमानस्य । वाभुपकथमेवताभं द्वितीयस्य
परार्धस्य त्यत्रस्य ७॰ ॐ तत्सीगं भभशुहितपलमेवतागं ॐ नमो भगवते नमः ।

ॐ भद्रकाली पतये उत्तरशिरसे नमः ब्रह्मणे ऋषये १९ छन्दसे देवतायै श्रीविष्णुः प्र
सन्नपुरुषाय नमः सर्वपुरुषार्थसिद्धये नमः त्रिंशन्नामाय पालनाय स्थापनाय १० उ
मामहेश्वराय सर्वसिद्धये सर्वभुक्तिमुक्तिफलसिद्धये नमः पुष्पं तेः प्रणमामि ॥
भद्रकालीपतिं प्रणमे ३० ब्रह्म ऋषिं ७ छन्दः देवता ३ श्रीविष्णुः प्रसन्न
सिद्धये ॥ सर्वपुरुषार्थसिद्धये त्रिंशत् पालनं स्थापनं १० उमामहेश्वरं स
र्वसिद्धिं सर्वभुक्तिमुक्तिफलसिद्धये सर्वदा पूजयामि ॥ श्रीभद्रकालीमन्त्रं ॥
[illegible] ॥ ॐ अस्य श्री [illegible] विश्वरूपमहाभैरव [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पूर्व· ॐ ह्रां हृदय १ ~~[illegible] नमः॰ ॐ ह्रीं [illegible] ॐ ह्रूं शिखायै~~
ऊँ: प्रचक्राय(?) [illegible] नमः १॰ ऋषिर्ऋषिः श्रीविष्णुः परमात्मा देवता ॐ अस्य
पञ्जर [illegible] २ [illegible] मन्त्रस्य [illegible] पातु ॐ
[illegible] विष्णुदेवता [illegible] नमः ३ ॐ ह्रां [illegible] हृदय [illegible]
[illegible] नमः॰ ॐ ह्रीं [illegible] शिखायै [illegible] ऋषिर्ऋषिः प॰
श्रीविष्णुः परमात्मा देवता [illegible] नमः [illegible] १॰
ॐ अस्य पञ्जर [illegible] २ [illegible] निधिमन्त्रस्य
पातु [illegible] विष्णुदेवता [illegible] नमः ३ ॐ ह्रां [illegible]
॰ ॐ ह्रीं [illegible] ऋषिर्ऋषिः [illegible] श्रीविष्णुः परमात्म
देवता [illegible] २ [illegible] नमः १॰ [illegible] नमः, [illegible] नमः १॰
ॐ अस्य पञ्जर [illegible] २ [illegible] विष्णु [illegible]
[illegible] पतिः [illegible] २ ॐ [illegible] १ ॐ ह्रीं [illegible] · [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हैमसूत्रैस्त्रिभिस्तैर्गृहीतैर्नवतं पवित्रकम् । रौप्यैर्वा त्रिभिस्तैर्वा पवित्रं ... तैः ॥ त्रि
गुणं वा तन्तुभिः सूत्रैर्यवमध्यं कुलं ... यथाविभवतः ... पवित्र
पवित्राणां विधिः ॥ लक्ष्मीपतेरेकपञ्चाशद्ग्रन्थिपवित्रं वैलक्ष्म्याः तेषां । यमिलक्ष
विद्धं भैरवे कल्पितेऽष्टकं ... ॥ विनायकपवित्राणां ... मयतः । वस्ति
वन्द्यं यस्य ... चेत्त्रिफलं तव तु ॥ ... पवित्राः । ...
... पवित्रं विष्णु ... ॥ ॐ ... भक्तः
... कीर्तितः ॥ ...
... पवित्रकम् ॥ ... विधिः ...
... भवतः ...
... ॥
॥ ... ॥
... ॥ ... 

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पवित्रहस्तः प्रयच्छेत् ॥ सर्वेषु मुख्यत्वात्स त्वमदात्स उमयत्नयमु [illegible] स्वविधिवत्
ह्यपात्रभाजनेन ॥ वैश्वदेवं तु विधिवत्पितृपक्षं तु भास्त्रिकः [illegible]
हस्तत्रि वैश्वदेवः समाधुते ॥ सशुक्लं सततं जदत्तः सूक्ष्मं समाचरेत् । उत्तिष्ठ
कपर्दनूदूक विधिः ॥ मधकश्च समष्टकर्म सिद्धिमस्य समाप्तुति इमं किंकरं ॥
उक्तं लेखालिः ॥ विधवागाश्रि समाधीयक्रियां विद्वद्वेदुः सोपपिण्डसम
तुल्यपूर्वधर्मवत्सिद्धिं ॥ सर्वोदिश्य त्रिमन्त्रैः फिरसृत्सन्नवेदग कर्म सिद्धपुत्र
लेखहृत्वं जपत्रमहत्ति ॥ मधपवसश्च सिद्धिमस्य पितृसमुदु विधिः उक्तं सर्वलिभ
पं ॥ वैश्वदेवं तु विधिवत्पितृपक्षं तु भास्त्रिकः सत्राप्स्वदं ततः जदत्तः सूक्ष्मं समाचरेत्
सुप्ति वैश्वदेवः उत्तिष्ठुक उमयपञ्चपागः ततः सूक्ष्मं ॥ मधमावश्याद्यो विधिः ॥
सुप्ति पञ्चभिरीवश्याद्यं वैश्वदेव समस्यपरं सशुक्लरुवनंस्वे ततः सूक्ष्मं समाचरेत् । उक्तषा
सुप्ति पञ्चपागः उमयवैश्वदेवः उत्तिष्ठुक ततः सूक्ष्मं ॥ दिनाक्तं यत्र श्वोदेशिज
गायपं वैश्वदेवलये सत्रमञ्चसशुक्लरुदिपितृजनिकारतवेत् । समजलये पितृपक्ष
उक्तकः

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

62

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] तेषामुद्धरणार्थाय इमं पिण्डं ददाम्यहं ३ [illegible]
[illegible] तेषामुद्धरणार्थाय इमं पिण्डं ददाम्यहं ४ [illegible]
[illegible] तेषामुद्धरणार्थाय इमं पिण्डं ददाम्यहम् ५ [illegible]
[illegible] तेभ्यः पिण्डं ददाम्यहम् ६ [illegible]
[illegible] तेभ्यः पिण्डं द-
दाम्यहम् ७ [illegible] तेभ्यः पि-
ण्डं ददाम्यहम् ८ [illegible]
तेभ्यः पिण्डं ददाम्यहं ९ [illegible] तेषामुद्धरणा-
र्थाय इमं पिण्डं ददाम्यहम् १० अनेकयातनासंस्थाः प्रेतलोके पि ये स्थिताः
तेषामुद्धरणार्थाय इमं पिण्डं ददाम्यहं ११ अनेकयातनासंस्था [illegible] यमकि-
ङ्करैः तेषामुद्धरणार्थाय इमं पिण्डं ददाम्यहम् १२ [illegible]
[illegible] स्थिताः तेषामुद्धरणार्थाय इमं पिण्डं ददाम्यहम् १३ [illegible]

[illegible]

१०

भ॰ मू॰ ह्रिं कल्पेभ्यो नमः [illegible]भ्यो नमः भैरवेभ्यो नमः सिद्धसिद्धेभ्यो नमः योगिनीभ्यो नमः कमल
नाय [illegible] नमः विमलासनाय नमः आत्मासनाय नमः सदाशिव
भगवत्यै नमः ॥ महाभद्रासनाय नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं पराम्बायै भगवत्यै
भैरवाय नमः श्रीविष्णुः पादुकां पूजयामि नमः ॥ ध्यानम् नित्यं
नमस्तु ॥ त्रिनेत्रां भगवतीं विश्वमूर्तिं
श्री पादपद्मं त्रिपुरसुन्दरीं भजे त्रिपुरां भवानीं
सदाशिवं भक्तिपरम् सिद्धये ॥
नमः ॥ [illegible]
नमोऽस्तु [illegible]
वरः प्रभुः ॥ श्रीमत्कलाभगवतीभ्यो नमः सर्वेभ्यो नमः ॥
[illegible] योगिनी कम
लासनाय विमलासनाय आत्मासनाय सदाशिवाय भगवती ॥

महाभैरवाय नमः ॐ महागणपतये ॐ हृद्वै कष्वै ॐ इष्टसिद्धिः महाभैरवप्र
सादाय देवाय ३ प्रथमीपर्यं· अयम· मन्त्रः ममभूभाग· [illegible]
कवची० मत्रेषि ॐ हि पितामहाय ममभैरव पितृः श्रीमहाभैरवस्तुतिः
महाभैरवस्य प्रसादेन श्रीभैरवस्तुति प्रपः ऋषि प्रीपः ऋषि ३ भवेत् ३
पञ्चमहामयेन ॐ हिः धनधमर्यमिरभः ७ ॐ हुं हुं सः ईश्वरः ७
ॐ श्रीमिसिवायहि महाभैरवाय पीमहि सहःप्रदः ५७ ॐ योगिनीमया
वि· त्रिकुलभहि सहःप्रदः ७ ॐ प्रदकृपायवि प्रदसन्नाय सहःप्रदः ७
विश्वरूपाय विश्वभूकमा सहःप्रदः ७ ॐ कङ्कालायवि महाभूर सहःप्र३
ॐ रविहरः ७ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं प्रदभा सिद्धभवयत्रिपः महंभवपूरत्रि रक्षकृष
कपप्रपेत्रिदेविभरवं कृत्कृतः ध्रुविभा ३ ३ मन्त्र· कवची० मत्रेषि
महागणपतेः कवचः कष्वः ॐ इष्टसीरं देवाय ३ मन्त्रः पितृः ममभू·
प्रदभक्तलभा सिद्धिं प्रदयामाप्रश्रूकं महाभैरवाय पासभलप्रदहोहमहि गणपति

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

102

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] पितामहाय मातृ पितामहैः प्रपितामहैः मातामहाय प्रमातामहाय [illegible]

[illegible] प्रमातामहाय मातामहैः प्रमातामहैः [illegible] प्रमातामहैः [illegible]

[illegible] पितामहाय [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीविष्णोः सर्वदेवेश्वरस्य भास्करस्य दशपञ्चिकायाश्च सज्जायाः कुरुक्षे-
त्रस्य वटस्य यक्षपतेश्च मणिमाण्डव्याः पितृगणदेवतायाः सर्वदेवानुग्र-
हपापालितपापनिवारणार्थं पितुः पितामहस्य प्रपितामहस्य मा-
तुः पितामह्याः प्रपितामह्याः मातामहस्य प्रमातामहस्य वृद्धप्रमाता-
महस्य मातामह्याः प्रमातामह्याः वृद्धप्रमातामह्याः सर्वतृप्तिकामा-
र्थं परलोकेश्वरपूर्वकं कलशप्रदानं कोटीश्वरप्रदानं भद्रकरि-
ष्ये तिलपात्र तिलभस्म पयश्चाविकीट २ एवमेव भद्र
गणपतेः ... पूर्वं ... मङ्गलायै प्रवि- वः प्रणयामि
शन्ति प्रणयामि तिप्रणय तिमहागणपतिं कुमारं ...
ष्टी लक्ष्मी विश्वकर्मा सर्वदेवताः पुरपतिं वृक्षं कलशदेवताः कु-
रुविष्णुभगवत्सर्वदेवताः सर्वदेवेशं भास्करं दशपञ्चिकायां सज्जां कु-
रुक्षेत्रं वटं यक्षपतिं मणिमाण्डव्याः पितृगणदेवताः सर्वदेवान्

[illegible]

105

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हृदय त्रैलोक्यरूपाय सर्वात्मने नमः ममालक्ष्मीं नाशय नमः सर्वाङ्गे नमः [illegible]
[illegible] मयूराङ्कम् [illegible] सर्वाभरणभूषितं [illegible] [illegible]
ध्यायेत् । ॐ मत्स्याय स्वाहा ॐ कूर्माय स्वाहा भीमाय स्वाहा ॐ नृसिंहाय स्वाहा ॐ वामन
[illegible]ाय स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा ॐ [illegible]ाय स्वाहा ॐ [illegible] स्वाहा [illegible]
[illegible] स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा सर्वेश्वराय स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा [illegible]
स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा [illegible]
[illegible]ाय स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा [illegible]ाय स्वाहा माधवाय
स्वाहा गोविन्दाय स्वाहा [illegible] विष्णु [illegible] लक्ष्मी [illegible] नारायणाय स्वा
हा श्रीविष्णुः [illegible] स्वाहा [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] नमः । [illegible] [illegible]
य नमः [illegible] नमः [illegible]ाभ्यां नमः [illegible]ाभ्यां नमः [illegible]
ताभ्यां नमः [illegible]ाभ्यां नमः [illegible]ाभ्यां नमः [illegible]

𑆝𑆵𑆤𑆩𑆳𑆩𑆴𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆮𑆲𑇀𑆤𑆵𑆤𑆩𑆳𑆩𑆴𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆤𑆑𑇀𑆰𑆴𑆠𑇀𑆫𑆴𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆱𑆜𑆓𑆼𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆱𑆱𑇀𑆫𑆬𑆼
𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆑𑆱𑇀𑆑𑆤𑆼𑆤𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆮𑆴𑆢𑇀𑆪𑆳𑆣𑆫𑆑𑆴𑆤𑇀𑆤𑆫𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆳𑆱𑆶𑆢𑆼𑆮𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆢𑇀𑆪𑆤𑆩𑆂
𑆱𑆕𑇀𑆑𑆫𑇀𑆰𑆟𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆕𑇀𑆑𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆫𑆶𑆟𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆤𑆑𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆽𑆯𑇀𑆫𑆮
𑆟𑆳𑆪𑆑𑆶𑆧𑆼𑆫𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆑𑆶𑆧𑆼𑆫𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆇𑆓𑇀𑆫𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆇𑆓𑇀𑆫𑆥𑆳𑆫𑇀𑆰𑆢𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆪𑆩𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆪
𑆩𑆥𑆳𑆫𑇀𑆰𑆢𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆫𑆶𑆟𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆫𑆶𑆟𑆥𑆳𑆫𑇀𑆰𑆢𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆾𑆩𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆾𑆩𑆥𑆳
𑆫𑇀𑆰𑆢𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆳𑆪𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆳𑆪𑆶𑆥𑆳𑆫𑇀𑆰𑆢𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆟𑆼𑆑𑆩𑆬𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩
𑆟𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆱𑆫𑆴𑆢𑇀𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆓𑆤𑇀𑆣𑆫𑇀𑆮𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆇𑆫𑆓𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆇𑆫
𑆓𑆼𑆨𑇀𑆪𑆂 𑆱𑆶𑆥𑆫𑇀𑆟𑆼𑆨𑇀𑆪𑆾𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆥𑆩 𑆱𑆤𑇀𑆤𑆴𑆣𑆳𑆥𑆪𑆴𑆰𑇀𑆪𑆳𑆩𑆵𑆠𑆴 𑆱𑆱𑇀𑆤𑆳𑆠𑇀𑆮𑆳 𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆨𑇀𑆪𑆂
𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆨𑇀𑆪𑆂 𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆨𑇀𑆪𑆂 𑆑𑆶𑆯𑆥𑆶𑆟𑇀𑆣𑆶𑆬𑆑𑆬𑆴𑆑𑆼𑆤 𑆱𑆮𑆼𑆤𑆳𑆑𑆼𑆤 𑆄
𑆥𑆾𑆩𑆠𑆶𑆩𑆶𑆑𑆮𑆩𑆑𑆥𑆾𑆩𑆠𑆶𑆂𑆩𑆴𑆬𑆴𑆠𑆵𑆩𑆴𑆠𑆴 𑆥𑆾𑆩𑆠𑇀𑆫𑆶𑆩𑆥𑆾𑆮𑆤𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆮𑆴𑆣𑆴𑆩𑆠𑇀
𑆮 𑆠𑆴𑆬𑆩𑆴𑆯𑇀𑆫𑆪𑆮𑆳𑆑𑆵𑆫𑆥𑆤𑆵𑆪𑆴𑆮𑆬𑆴𑆩𑆶𑆧𑆳 𑆩𑆥𑆩𑆢𑆴𑆩𑆩𑆳𑆥𑆑𑆩𑆮𑆶𑆑𑇀𑆠
𑆩𑆮𑆩𑆩𑆑𑆮𑆁 𑆠𑆴𑆱𑆮𑆳𑆠𑆶𑆂𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆱𑇀𑆮𑆩𑆑𑆪𑆼𑆓𑆴𑆲𑆳𑆱𑇀𑆮𑆩 𑆤𑆩𑆂𑆱𑇀𑆮𑆣𑆩𑆱𑆶𑆑𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶

दृष्टिरन्नवत्कृ ॥ ओं स्वधा ॥ ॐ पितरमुकामुकशर्मन्नेतत्तेन्नं ये च त्वामनु पितामहामुकैतत्ते
ये च त्वामनु प्रपितामहामुकैतत्तेन्नं ये च त्वामनु ॥ मातरमुके एतत्तेन्नं याश्च त्वामनु पितामहि
एतत्तेन्नं याश्च त्वामनु प्रपितामहि एतत्तेन्नं याश्च त्वामनु ॥ मातामहामुकैतत्तेन्नं ये च त्वाम
नु प्रमातामहैतत्तेन्नं ये च त्वामनु वृद्धप्रमातामहैतत्तेन्नं ये च त्वामनु ॥ मातामहि
एतत्तेन्नं याश्च त्वामनु प्रमातामहि एतत्तेन्नं याश्च त्वामनु ॥ ममभ्युमातृपितरः ॥
ये मातृपक्षाश्च ये केचित्पितृपक्षाः गणसमयतत्त्वं ये कुलेषु ममक
वः ये पुत्रदारवर्जिताः ये मातृभ्रातृवर्जिताः सत्रदानेरतो मवेलतां तृप्तिमतामस्तु
ममभ्युमातृपितृभ्यः तृप्यन्तु पितृभ्यः सन्तं भवतामन्नलेपं लिप्तावाये ॥
ममभ्युमातृपितृतृप्तये ममालतां गन्धः स्वधा ममभ्युः सदा स्वधा पुष्पं
स्वधा ममभ्यु धूपः स्वधा दीपः स्वधा ममभ्यु नैवेद्यफलमूलवल्ली
वेद्यं सन्तं स्वधा ममभ्यु पिण्डं स्वधा ममभ्यु क्षीरपानं स्वधा ममभ्यु म
धुपानं स्वधा ममभ्यु तिलोदकं स्वधा म उदकदानं स्वधा पिण्डं १ गन्धं १

109

महेशे वामदेवाय नमः ईशानाय नमः वक्त्रेभ्यो नमः सर्वेभ्यो नमः तत्पुरुषाय नमः शिर
स्यनमः षडङ्गेभ्यो नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः [illegible] नमः ॥ ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

𑆮𑆴𑆰𑇀𑆛𑆴𑆠𑆳𑆩𑆤𑇀𑆤𑆪𑆳𑆠𑆼 𑆱𑇀𑆮𑆱𑇀𑆠𑆾 𑆩𑆽𑆤𑆩𑆸𑆰𑆂 𑆩𑆠𑆁 𑆇𑆥𑆪𑆳𑆩𑆓𑆸𑆲𑆵𑆠𑆾𑆱𑆴 𑆮𑆴𑆯𑇀𑆮𑆼𑆨𑇀𑆪𑆱𑇀𑆠𑇀𑆮𑆳 𑆢𑆼𑆮𑆼

𑆨𑇀𑆪 𑆍𑆰𑆠𑆼 𑆪𑆾𑆤𑆴 𑆮𑆴𑆯𑇀𑆮𑆼𑆨𑇀𑆪𑆱𑇀𑆠𑇀𑆮𑆳 𑆢𑆼𑆮𑆼𑆨𑇀𑆪𑆂 𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑆥𑆴𑆠𑆶𑆂 𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲𑆱𑇀𑆪 𑆥𑇀𑆫𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲

𑆱𑇀𑆪 𑆩𑆳𑆁𑆱𑆮𑆴𑆑𑆴𑆫𑆟𑆁 [illegible] 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆼 𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲𑆳𑆪 𑆥𑇀𑆫𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲𑆳𑆪 𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆼

𑆩𑆳𑆁𑆱𑆁 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑆇𑆯𑆤𑇀𑆠𑆱𑇀𑆠𑇀𑆮𑆳 𑆲𑆮𑆳𑆩𑆲𑆼 [illegible] 𑆥𑆴𑆠𑆹𑆤𑆳𑆮𑆳𑆲𑆪𑆴𑆰𑇀𑆪𑆳𑆩𑆴 𑆄𑆮𑆳𑆲𑆪𑆠𑆴

𑆬𑆳𑆮𑆴𑆑𑆵𑆫𑇀𑆪 𑇆 [illegible] 𑆄𑆪𑆤𑇀𑆠𑆶 𑆤𑆂 𑆥𑆴𑆠𑆫𑆂 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सं. सू. १३३

सत्तातिरत्रवन्हादिष्टसो १ सत्रसोपडतिरन्हिरस्त्रैःअभद्रिकैरवभमैश्रुभमैः वत्र
वन्हादिष्टसो २ ॐ यास्मिश्रुत्तियाणवत्ति याम्नत्रुत्रुःपरिअभूधीः स्वस्ति
विश्वश्रुणशीतिरत्रवन्हादिष्टसो ३ सभडत्रवागभडत्रयपग्निवर्णिभडत्रं उद्भिष्ठ
पिकण्ठभ उत्तिसद्रुणतिः श्रणयाभपद्मंडन्मकृंवभीयिश्रुपवाः यज्ञभातु
प्रललैठयसुवर्णयाचवत्रं उत्सैवत्रः पितामहश्रुभातृवर्त्तैवपक्रुत्रम १० यास्मि
श्रुत्ति यज्ञपितामही १ यास्मिश्रुत्ति यज्ञप्रपितामही २ लाफलश्रु
ठगावत्रःयाह्वं ३ पितृ पितामहस्य प्रपितामहस्य मांवक्रुविकेशुहु य
सूंश्रण यन्हसैर्धनिवपयेत् अह्निशमश्रु श्रपभ यास्मिश्रुत्तीतिश्वरा १
यास्मिश्रुत्ति यज्ञभातु ० यास्मिश्रुत्ति यज्ञभातु १ यास्मिश्रुत्ति यज्ञपि
तामही ३ यास्मिश्रुत्ति यज्ञभातु २ यास्मिश्रुत्ति यज्ञपितामही ५ या
स्मिश्रुत्ति यज्ञप्रपितामही ६ सपःहीरं ठगावर्त्तिक्रु ३ पितः पिताम
ह प्रपितामह ३ मातः पितामहि प्रपितामहि ७ मातामह प्र

मातामह वृद्धप्रमातामह ३ मातामहि प्रमातामहि वृद्धप्रमातामहि ३
उसंवेंतुं भूता कृतविकपपवित्रं पितृ पितामहस्य प्रपितामहस्य मात
ऋ: सजलकांगाङ्गुः भूत गङ्गासागरी महोत्सव स्वधा पवित्रंकर्येत
पितृ पितामहस्य सरूः भूत प्रथं भूत पितृ पितामहस्य त्रयः भूत सी
पः भूत पितृ पितामहस्य वाभांमिभूत सत्रिशास्त्रागमीद २ म
हेर सत्रुंत्रक्ता स्वधा। पितृमातापितृमातामसि पितृहृः कृत म
सि पितृहृः सजलकांगाङ्गुः भूत पितृहृः सरूः भूत प्रथं भूत पितृहृः
त्रयः भूत सीपः भूत पितृहृवाभांमिभूत पितृशमत्रमापूर्णविधिः
सवः परिपूर्णम् महेश उसमंडसमेवेहृः सतमहिपाद स्वधा ६
समंपितृहृः सतमहिपाद प्रकाशतकुला दविश्वदिश रवपति
प्रकाशप्रलंभिशामवसति २ मत्रावतिमितृतशमहिपाद सत्रि
ततशृप्रपतशृमहिपाद पितृसत्रिपशुभागैः मृत्तीयात २ यज्ञप्रम

सहृत्य मनः
पमेहि मन
सन्तः ३
पं माप

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रा·
सू·
१८०

त पितॄनामीवाम्भसं मेत्र ॐ पितरः पुत्रवन्तं देवं वसिष्ठकृतयस्वधा ॐ देव
पितॄणामिवयं देवं वसिष्ठकृतयस्वधा ॐ उत्तिष्ठ पितॄन्वामामि सर्वेभ्यो
देवेभ्यः सुरं वीरवत्पितॄभ्यः पिण्डलेपं निवापयेत् । पितॄणां वर्त्तिकेन
ॐ समालभनं गन्धः स्वधा पितॄन् मधुः स्वधा पयः स्वधा घृतः स्वधा दीपः
स्वधा पितॄन् पिण्डमदय कट्टीलम्फलमूलवल्लीनैवेद्यमतं स्वधा पितॄन् पि·
तिलमधुमिश्रं मधकपाटं भोगभगीयं स्वधा । पितॄन् पि· विभपानं स्वधा
क्षीरपानं स्वधा मधुपानं स्वधा तिलोदकं स्वधा उदकउदकं स्वधा विभं ३ र
एवं ३ मन्त्रेणापि वसन्ताय नमः ग्रीष्माय नमः वर्षाभ्यो नमः शरदे नमः
हेमन्ताय नमः शिशिराय नमः मधुऋतुभ्यो नमः सप्तम· ततः पितॄन् ऊर्ज्जं
वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतं स्वधास्थ तर्पयत मे पितॄन् ।
मन्त्रेण मामेकं सुतिमद्यमत्रमद्वहं । विभामेकं सुवरुमधुमधु वरुण
मेघधत्रामत्रमतं मरुमूलं ममौदकं प्रतुमधुरेदमेहिमत्रा । देवता ।

ह्रीं बलिमपकाय ॥ आविशन्ति सह पितृगणैर्वसुमध्ये भवन्तु त्रिभिर्दिवं
ह्रीं विघ्नयामि स्वाहा ॥ अपसव्यं ॐ मनो मध्ये अपसव्यं तिले मातामहाः वा
[illegible] पितृपितामहप्रपितामहाः ॥ ॐ विश्वे देवा भागीय कल्पितं पात्रं
भगवन्तं [illegible] ॥ सपिण्डीकरणं [illegible]
[illegible] पितृभ्यः [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] पितृ पितामह [illegible]
[illegible] अपसव्यं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] पितृ [illegible]
[illegible] पितृ पितामह [illegible] तिल [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पया. ३र

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नित्योदिताय स्वाहा प्रलयाय स्वाहा सकृत्स्वाहा प्रवाहिध्वान्तहृत्स्वाहा विशेषध्वान्तहृ-
त्स्वाहा उद्वाहिध्वान्तहृत्स्वाहा [illegible] स्वाहा सतिलिप्ताय स्वाहा विष्णवे स्वाहा
सर्वज्ञाय स्वाहा कर्महृत्स्वाहा सुविध्नहृत्स्वाहा [illegible]य स्वाहा सततिध्या-
य स्वाहा सत्कृपाविहृत्स्वाहा प्रवाहहृत्स्वाहा सफिद्धाय स्वाहा
य उद्वाहहृत्स्वाहा प्रसन्नस्वाहा रविशे स्वाहा सर्वहृत्स्वाहा स-
र्वज्ञहृत्स्वाहा यमाय स्वाहा सर्वकालिहृत्स्वाहा ॥ इत्यष्टमः सि-
द्धमन्त्रः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ सर्वसिद्धा-
[illegible] ॥ उदवासि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

139

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

द्वितीयस्थं स ४ प्र ४ तृतीयस्थं स ४ प्र ४ चतुर्थं स ४ प्र ४

पञ्चमस्थं स ४ प्र ४ षष्ठे स ४ प्र ४ सप्तमस्थं स ४ प्र ४

अष्टमस्थं स ४ प्र ४ नवमस्थं स ४ प्र ४ दशमस्थं स ४ प्र ४

एकादशस्थे स ४ प्र ४ [illegible] स ४ प्र ४ [illegible] स ४ प्र ४

[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

कं ९१. वपाःपीयठंवापुःपीठेभ्यु मुदःपीयठा बुद्धपीयठं पुरुषाठिःपी कुम्भ
याःपी मदेत्कुम्भभद्रे पापाभुक्तिपयदकुम्भु ॥ उठिकमसं ॥
मवठवरुद्रे ॐमठिंद्देवी वधतुत्रवा ॥ ॐमग्रयेनमः वयुवेनमः
भद्रायनमः बुद्धेनमः पुरुषायेनमः कुम्भकिहुःनमः ॥० ॐविश्व
रूपायभवविद्धिभेवमिवमिव यमभंवीरवडभंनमः ॐपुरुषायसंकिद ३
ॐतयेयुभयभवकुरुहुतवसत ठवहृंठीधुवयनमः ॥ ॐमग्रपवधस
प मभेवकः भवीदं मगसुयिभयिधिधंनमः ॥ ॐद्वित्रभनुमतक्षुतुरुयेदे
पतुठवमिवियवयादेः हयात्रेपभ्वुंवयभमहभायपदेवैः भठभामभममभनमः
ॐमवेत्रयभपयवयेभभम त्रिमत्रमियवयवतितिविवुत्र युयहुमभमफुरुव
भेदे कुयिधुत्रेनभतकिंविचिभनमः ॥३ ॐमिंत्रमुकःपिङ्गवैवत्र: ॥
ॐपठङ्गोपडीपखमेयभागामकुरुदेशीणतिशीपुरुषनभ मकमत्रेवरूपेधिङ्ग
सू णीसहरुणयभवभहुनमः ॥ ॐपतभुपामपुखभाविमभुपामेकभजि

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

उत्त ३९०

अग्नेःपीठिकायाः ३ अग्नेःअमुकदेवतायाः अस्मिन् पितुः उद्देशेन संकल्पिके
कलशपूजनं करिष्ये अथ गणपतिपूजनं महागणपतये अग्नये वायवे
उद्देशेन संकल्पयामि ॐ महागणपतिं अग्निं वायुं भद्रं ... प्र
जापतिं आवाहयामि । अग्निं पृथिवीपतिं भूतपतिं ३ अग्निं ... अग्निंप
वमानं अग्निं ... अग्निंपीठिकां ३ अग्निंअमुकदेवतां आवाहयिष्या
मि पाद्यं अर्घ्यं ... लम्बोदर ... पाद्यं ३ महागणपतये
पाद्यं नमः ... अग्नये ... ३ महागणपते ओं
... नमः अग्ने वायो भद्र ... भूतपते ... । अग्नेपृ
थिवीपते भूतपते ३ अग्ने ... अग्नेपवमान अग्ने ... अग्नेपीठिके ३
अग्नेअमुकदेवते ... नमः २ महागणपतये महाबलिं ... नमः
... नमः धूपं नमः दीपं ... नैवेद्यं नमः ३ ... ३ ...
... अनेन ... पितुः उद्देशेन महागणपतिः प्रीयताम्

[illegible]

श्लो॰
१२५

सह [illegible] ३ [illegible] गन्ध[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ५ पितुः वैतरणी॰ विष्णु[illegible]

[illegible] विष्णु

[illegible] कृतदान[illegible] ॥ [illegible]

वैतरणी[illegible]

[illegible] यथाविधिः विष्णु[illegible]

[illegible] विष्णु[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] कृतदानं ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] कृतदानं ॥ [illegible] विष्णु[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] पितुः [illegible] वैतरणी॰ [illegible] ३

[illegible] वैतरणीविधिः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] द्वितीयमासिकं [illegible] पञ्चपाक्षिकं [illegible] तृतीयमासिके
षष्ठं सप्तममासिकं [illegible] पञ्चममासिकं [illegible] ऊनषाण्मासिकं नवमं षा
ण्मासिकं दशमं सप्तममासिकं एकादशं अष्टममासिकं द्वादशं नवमा
सिकं त्रयोदशं दशममासिकं चतुर्दशं एकादशमासिकं पञ्चदशं ऊनाब्दि
[illegible] एकोद्दिष्टं [illegible]
[illegible]
[illegible] पितुः [illegible] एकोद्दिष्ट
[illegible] पितुः [illegible]
[illegible]
[illegible] पितुः पि
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

155

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] वसंताय नमः ग्रीष्माय नमः वर्षाभ्यो नमः शरदे नमः
हेमंताय नमः शिशिराय नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

157

[illegible]

[illegible]